

## कपास पर आयात शुल्क घटाने की मांग

### प्रलिस के लयि:

कपास, आयात शुल्क, सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यम, भारत में शीर्ष कपास उत्पादक राज्य

### मेन्स के लयि:

भारत में कपास उद्योग के समक्ष चुनौतियाँ एवं समाधान

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में तमलिनाडु के मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री से [कपास](#) पर लगाए गए आयात शुल्क को हटाने हेतु संबंधित मंत्रालयों को नरिदेश देने का अनुरोध किया है।

- कपड़ा उद्योग राज्य में दूसरा सबसे बड़ा रोज़गार प्रदाता है तथा देश के कपड़ा उद्योग में तमलिनाडु की 1/3 हसिसेदारी है।

## प्रमुख बडि

### ■ प्रमुख मांगें:

- कपास आयात पर लगने वाले 11% आयात शुल्क को हटाना। साथ ही कपास की खरीद में सूत नरिमाताओं को व्यापारियों की तुलना में प्राथमकता देने की मांग।
- पीक सीज़न (दसिंबर-मार्च) के दौरान कपास खरीद के लयि कताई मल्लों को 5% ब्याज सबवेंशन (Interest Subvention) का वसितार।
- [सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों](#) ( Micro, Small and Medium-sized Enterprises- MSMEs) के लयि टकारु कपास की ई-नीलामी के न्यूनतम लॉट आकार को 500 गॉठ तक कम करने का भी आग्रह किया गया है।

### ■ मांग का कारण:

- कपास और धागे की कीमतों में उतार-चढ़ाव की गंभीर स्थिति के कारण कपड़ों की कीमतों पर पड़ने वाले इसके प्रभाव की वजह मांग है।
  - वर्तमान संकट ने नरियात ऑर्डर्स को बड़े पैमाने पर रद्द कर दिया है जसिसे दीर्घकालिक नरियात प्रतबिद्धताओं को पूरा करने में कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।
- कपास की कीमतों में उतार-चढ़ाव का एक प्रमुख कारण वर्ष 2021-22 के बजट में 5% मूल सीमा शुल्क (BCD), 5% कृषिअवसंरचना विकास उपकर (AIDC) और 10% समाज कल्याण उपकर लगाया जाना है जो समग्र आयात शुल्क का 11% है।

### ■ आयात शुल्क से संबंधित चतिएँ

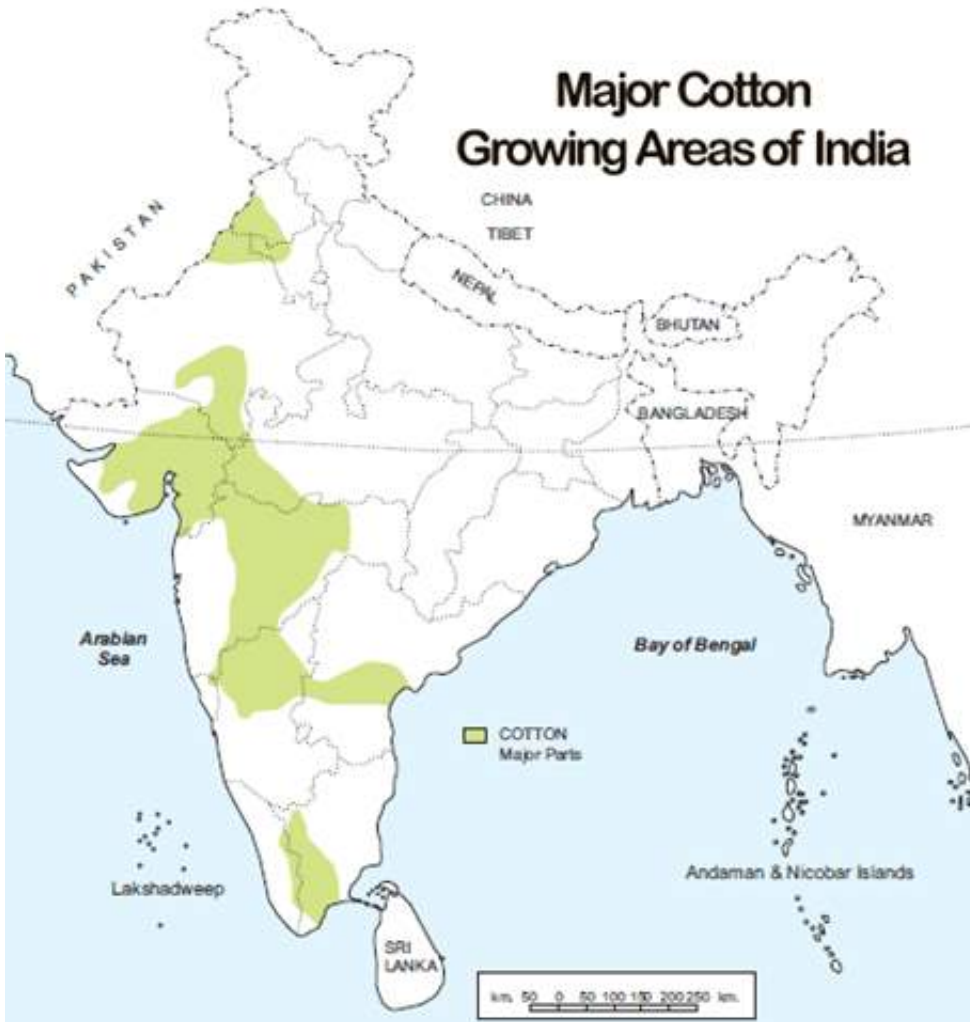
- कच्चे कपास पर आयात शुल्क मूल्यवर्द्धति क्षेत्रों की प्रतसिपर्द्धातमकता को नष्ट कर देगा, जनिका नरियात में लगभग 50,000 करोड़ रुपए और घरेलू बाज़ार में 25,000 करोड़ रुपए का कारोबार है।
  - ये क्षेत्र लगभग 12 लाख लोगों को रोज़गार प्रदान करते हैं।

## कपास

### ■ परचिय:

- यह **खरीफ फसल** है, जसि तैयार होने में 6 से 8 महीने लगते हैं।
- **सूखा-प्रतशिधी फसल** के लयि **शुष्क जलवायु आदर्श** मानी जाती है।
- इस फसल को वशिव की 2.1% कृषियोग्य भूमिपर उगाया जाता है तथा वशिव की 27% वस्त्र आवश्यकताओं को पूरा करती है।
- **तापमान: 21-30 डिग्री सेल्सयिस के मध्य**।
- **वर्षा:** लगभग 50-100 सेमी।
- **मटिटी का प्रकार:** बेहतर जल नकिसी वाली **काली कपासी मटिटी (रेगुर मटिटी)** (जैसे दक्कन के पठार की मटिटी) इसके लयि उपयुक्त मानी जाती है।

- **उत्पाद:** फाइबर, तेल और पशु चारा ।
  - **शीर्ष कपास उत्पादक देश:** चीन > भारत > यूएसए
  - **भारत में शीर्ष कपास उत्पादक राज्य:** गुजरात> महाराष्ट्र> तेलंगाना> आंध्र प्रदेश> राजस्थान ।
  - **कपास की चार कृषिगत प्रजातियाँ:** गॉसपियम अर्बोरियम (Gossypium arboreum), जी.हर्बेसम (G. herbaceum), जी.हरिसुटम (G. hirsutum) व जी.बारबडेंस (G. barbadense) ।
    - गॉसपियम अर्बोरियम और जी.हर्बेसम को प्राचीन विश्व का कपास या एशियाई कपास के रूप में जाना जाता है ।
    - जी.हरिसुटम को अमेरिकी कपास या उच्चभूमिकपास के रूप में भी जाना जाता है और जी.बारबडेंस को मसूर के कपास के रूप में जाना जाता है । ये दोनों नए विश्व की कपास प्रजातियाँ हैं ।
  - **संकर/हाइब्रिड कपास:** इस प्रकार की कपास विभिन्न आनुवंशिक लक्षणों वाले दो मूल उपभेदों को हाइब्रिड करके बनाई गई है । जब खुले-परागण वाले पौधे अन्य संबंधित कस्मों के साथ स्वाभाविक रूप से पार-परागण करते हैं तो हाइब्रिड अक्सर प्रकृति में अनायास और नरिददेश्य ढंग से बनाए जाते हैं ।
  - **बीटी कपास:** यह एक आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव या कपास की आनुवंशिक रूप से संशोधित कीट प्रतरोधी कस्म है ।
- **भारत में कपास:**
- कपास एक महत्त्वपूर्ण फाइबर और नकदी फसल है जो भारत की औद्योगिक और कृषि अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाती है ।
  - भारत विश्व में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक और **तीसरा सबसे बड़ा नरियातक देश** है । यह विश्व में कपास का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है ।
  - कीट-प्रतरोधी **आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) बीटी कपास** संकर फसलों ने वर्ष 2002 में अपनी शुरुआत के बाद से भारतीय बाज़ार (कपास के 95% से अधिक क्षेत्र को कवर) पर कब्जा कर लिया है ।
  - भारत **प्रत्येक वर्ष लगभग 6 मिलियन टन कपास का उत्पादन** करता है जो विश्व के कपास उत्पादन का लगभग 23% है ।
  - भारत विश्व के कुल **जैविक कपास उत्पादन का लगभग 51% उत्पादन** करता है ।



स्रोत्र: द हद्दू

